

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
हिंदी अनुभाग

अणुशक्ति भवन,
छ.शि.म.मार्ग,
मुंबई-400 001

सं. 31/हिन्दी/2026-27/2065-2209

11 सितंबर, 2026

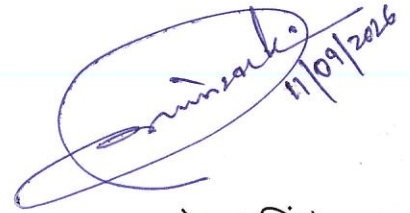
विषय: हिन्दी दिवस-2026 के अवसर पर सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग
के संदेश का प्रेषण।

सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा हिन्दी दिवस-2026 के अवसर पर जारी "संदेश" की प्रति जानकारी एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु संलग्न है।

माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री का संदेश राजभाषा विभाग की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।

सभी मुख्यालय यूनिट / उपक्रम / संस्थान संलग्न संदेश अपनी अधीनस्थ स्थापनाओं को भिजवाने की व्यवस्था करें।

संलग्नक: यथोपरि



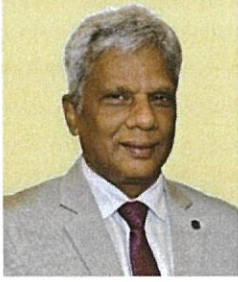
(अचलेश्वर सिंह)
निदेशक (राजभाषा)

1. परमाणु ऊर्जा विभाग की सभी यूनिटों/उपक्रमों/सहायता प्राप्त संस्थानों के प्रधान
2. परमाणु ऊर्जा विभाग की सभी यूनिटों/उपक्रमों/सहायता प्राप्त संस्थानों के प्रशासनिक प्रमुख
3. परमाणु ऊर्जा विभाग की सभी यूनिटों/उपक्रमों/सहायता प्राप्त संस्थानों के हिन्दी पदाधिकारी

प्रतिलिपि :

1. वैज्ञानिक सचिव, एईसी एवं अध्यक्ष, राभाकास, पऊवि, मुंबई
2. विशेष कार्य अधिकारी, शाखा सचिवालय, पऊवि, नई दिल्ली
3. अवर सचिव, शाखा सचिवालय, पऊवि, नई दिल्ली

डॉ. अजित कुमार मोहान्ती
Dr. Ajit Kumar Mohanty



अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग
व
सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग
Chairman, Atomic Energy Commission
&
Secretary, Department of Atomic Energy

संदेश

प्रिय साथियो,

हिंदी दिवस (14 सितंबर 2026) के पावन अवसर पर, परमाणु ऊर्जा विभाग के आप सभी कर्मठ साथियों को मेरी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ।

यह वर्ष हमारे विभाग के लिए विशिष्ट उपलब्धि का वर्ष रहा है। हाल ही में कल्पाक्कम स्थित स्वदेशी प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 'प्रथम क्रांतिकता' की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जिसने भारत को परमाणु ऊर्जा के दूसरे चरण में सफलतापूर्वक प्रवेश दिलाया है। यह अभूतपूर्व वैज्ञानिक कदम राष्ट्र को सुरक्षित, समृद्ध और ऊर्जावान बनाने के हमारे दृढ़ संकल्प का जीवंत प्रमाण है।

हमारा विभाग वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक गौरव के एकीकरण के पथ पर अग्रसर है। वैज्ञानिक नवाचार की यह दिव्य ऊर्जा तब तक अधूरी है, जब तक इसका लाभ देश के अंतिम नागरिक तक न पहुँचे। वैज्ञानिक अनुसंधानों एवं तकनीकों और आत्मनिर्भरता के संदेश को जन-जन तक सरल भाषा में पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य हमारी राजभाषा हिंदी पूरी निष्ठा से कर रही है। हिंदी केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि विज्ञान को समाज से जोड़ने वाला एक सुदृढ़ सेतु है।

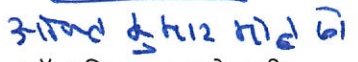
अपने वैज्ञानिक दायित्व के निर्वाह के साथ-साथ विभाग और इसकी विभिन्न यूनिटों ने राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व प्रगति की है। वर्षों के अनवरत प्रयासों के अच्छे परिणाम अब हमारे सामने आने लगे हैं। मैं विभाग की विभिन्न इकाइयों के प्रधानों को उनके प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि आने वाले समय में हम राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में इस उत्कृष्टता को सफलता से बनाए रखेंगे।

आइए, हम संकल्प करें कि तकनीकी नवाचार की इस यात्रा को राजभाषा के गौरव से समृद्ध करते हुए, एक वैभवशाली, आत्मनिर्भर और शक्तिशाली भारत का निर्माण करें।

आप सभी को पुनः हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय हिंद।

14 सितंबर, 2026


(डॉ. अजित कुमार मोहान्ती)

